

प्रेषक,

श्री एस0एस0 वल्लिया

उप सचिव,

उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग

उत्तरांचल, देहरादून।

सूचना अनुभाग -

देहरादून दिनांक : 14 जुलाई, 2006

**विषय :- जनपद उधमसिंह नगर (रूद्रपुर) में प्रेस क्लब निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति के सम्बंध में।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक जिलाधिकारी, उधमसिंह नगर के पत्रांक-683/जिसू/प्रेस क्लब रूद्रपुर/2005 दिनांक 18 मार्च, 2006 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय जनपद उधमसिंह नगर में प्रेस क्लब के निर्माण हेतु टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षणोंपरान्त संस्तुत रू0 39.55 लाख (रुपये उन्चालीस लाख पच्चपन हजार मात्र) की धनराशि के सापेक्ष प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में रूपये 20.00 लाख (रुपये बीस लाख) मात्र धनराशि आहरित कर व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबंध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आंबटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने चाहिए। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी किए गये शासनादेशों में निहित निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

3. आंगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो 'दरे' शिड्यूल आफ रेट' में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता को अनुमोदन आवश्यक है। कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आंगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधानित स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधानित स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

4. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय। कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

5. कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्चाधिकारियों एवं भुगर्ववेत्ता के साथ आवश्यक करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निदेशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाये।